विषयवस्तु

भाषण

वैश्वीकरण की चुनौती : रिज़र्व बैंक के परिप्रेक्ष्य में कुछ प्रतिबिंब 699
दुव्वुरी सुब्बाराव

सांख्यिकी का उपयोग और दुरुपयोग 707
के.सी.चक्रवर्ती

भारत में एम-बैंकिंग : नियम और तर्क 713
के.सी.चक्रवर्ती

संतुलन स्थापित करना : ऋण का प्रसार एवं एनपीए प्रबंधन - 717
आपस में सूचनाएँ बांटने संबंधी भूमिका
आनन्द सिन्हा

वैश्विक संकट की बदलती रूपरेखाएं - 725
भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव
आनन्द सिन्हा

बाह्य भारतीय प्रत्यक्ष विदेशी निवेश: हाल की प्रवृत्तियाँ और उभरते मुद्दे 739
हारून आर. खान

गतिशील कर्ज़ बाज़ारों की ओर- 7आई फ्रेमवर्क 751
हारून आर. खान

प्रणालीगत वित्तीय जोखिमों से बचाव के लिए फ्रेमवर्क 761
वी.के. शर्मा

सांख्यिकी और रिज़र्व बैंक: कुछ विचार 767
दीपक मोहन्ती

बैंकों की पूंजी, चलनिधि तथा लाभप्रदता के लिए बासेल III के निहितार्थ 771
बी. महापात्र

अन्य मदें

प्रेस प्रकाशनी 783
विनियामक और अन्य उपाय 797
विदेशी मुद्रा गतिविधियां 809

वर्तमान सांख्यिकी

प्रकाशन

आर.बी.आई. वेबसाइट